मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 142, मुंबई, गुरुवार, 7 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
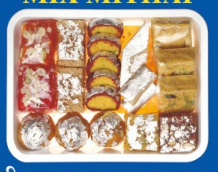
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

नासिक में अफगान मूल के सूफी बाबा का MURDER

जरीफ चिश्ती खुद को चिश्ती सिलसिले का वंशज बताते थे

35 साल के जरीफ चिश्ती को ड्राइवर ने मारी गोली

हत्या में 4 अन्य लोग शामिल

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले के येवला कस्बे में चार अज्ञात लोगों ने दरगाह में सेवा देने वाले ख्वाजा सैयद जरीफ चिश्ती (35) की गोली मारकर हत्या कर दी। वे चार साल पहले अफगानिस्तान से भारत आए थे। पुलिस के मुताबिक, इस हत्या में जरीफ चिश्ती का ड्राइवर और चार अन्य लोग शामिल हैं। इनमें से 3 को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एक अन्य की तलाश जारी है। एसपी नासिक ग्रामीण सचिन पाटिल ने बताया कि घटना मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे की है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रॉपर्टी विवाद हो सकता है घटना की वजह, बाबा करीब ड़ेढ़ साल पहले महाराष्ट्र आए थे

पीटी उषा, वीरेंद्र हेगड़े समेत इन चार को राज्यसभा के लिए किया गया मनोनीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर पीटी उषा, वी. विजयेंद्र प्रसाद गारू, वीरेंद्र हेगड़े और इलैया राजा को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने पीटी उषा के लिए लिखा, पीटी उषा जी हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

18 साल से ऊपर के लोगों के लिए एहतियाती खुराक पर अहम फैसला

अंतराल 9 महीने से घटाकर 6 महीने किया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए कोविड-19 एहतियाती खुराक को लेकर अहम फैसला लिया है। मंत्रालय ने खुराक के अंतर को मौजूदा 9 महीने से घटाकर 6 महीने कर दिया है। 18 साल के ऊपर उम्र के लोग अब वैक्सीन का दूसरा डोज लगने के 6 महीने बाद एहतियाती डोज लगवा सकेंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अब तक 198.20 करोड़ खुराकें दी गईं

देश में बीते दिन कोरोना के 16,159 नए मामले आए। इस दौरान 28 और संक्रमितों की जान भी गई। फिलहाल देश में कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.53 फीसदी है। बीते 24 घंटे में कोरोना से 737 मरीज ठीक हुए हैं।

भावना गवली की जगह राजन विचारे को लोकसभा में चीफ विप की जिम्मेदारी

शिवसेना पर वर्चस्व की जंग तेज

मुंबई। महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत के झटके के बाद अब शिवसेना ने संसदीय राजनीति के लिहाज से एक अहम फैसला लिया है। शिवसेना ने लोकसभा में भावना गवली की जगह राजन विचारे को चीफ विप बनाया है। गौरतलब है कि एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद भावना गवली ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा था।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पुलिस आमने-सामने

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और नोएडा के बीच जैसा नाटक खेला गया, वह पुलिस के राजनीतिक इस्तेमाल की एक नई कहानी कहता है। मंगलवार की सुबह खबर आई कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में गलत वीडियो चलाने के मामले में छत्तीसगढ़ की पुलिस जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन के घर पहुंच गई है। बाद में पता चला कि वहां गाजियाबाद पुलिस भी पहुंच गई है और दोनों पुलिस बलों में बहस हो गई। थोड़ी ही देर में नोएडा पुलिस वहां पहुंची और रोहित रंजन को हिरासत में लेकर चली गई। नोएडा पुलिस ने भी रंजन को उसी मामले में हिरासत में लिया है, जिस मामले में उन्हें गिरफ्तार करने छत्तीसगढ़ की पुलिस आई थी। बेशक जिस मामले को लेकर यह सब हुआ, वह कई तरह से गंभीर है। इसमें राहुल गांधी के एक वीडियो को गलत संदर्भ में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया। मुमकिन है कि सोशल मीडिया पर मिले वीडियो को बिना किसी जांच-परख के प्रसारित कर दिया गया हो। हालांकि, इसके लिए चैनल ने माफी भी मांग ली है। फिर भी क्या ऐसी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए? क्या यह ऐसा मामला है, जिसमें एंकर को सीधे गिरफ्तार कर लिया जाए, वह भी बिना यह जांच किए कि गलती किस स्तर पर किसकी थी? सुप्रीम कोर्ट यह कह चुका है कि जमानत किसी भी नागरिक का अधिकार है और गिरफ्तारी अपवाद स्वरूप ही होनी चाहिए। लेकिन हमारा पुलिस बल किसी भी मामले को अपवाद बना देने में महारत हासिल कर चुका है। ऐसे पत्रकार और न्यूज एंकर निशाने पर आ चुके हैं, जिनके फरार होने की बात सोची भी नहीं जा सकती। कुछ दिन पहले जब दिल्ली पुलिस ने अल्ट न्यूज के सह संस्थापक मुहम्मद जुबैर को उनके चार साल पुराने एक ट्वीट पर गिरफ्तार किया गया, तो विरोध करने वालों ने उनकी गिरफ्तारी पर सवाल नहीं उठाए, बल्कि यह कहा कि फलां को तो गिरफ्तार नहीं किया था, तो इन्हें क्यों किया? गिरफ्तारी कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे कुछ खास स्थितियों में ही आजमाना चाहिए, पर अब उसका इस्तेमाल सबक सिखाने के लिए होने लगा है। ऐसी गिरफ्तारियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीति से ही जुड़ी होती हैं। पुलिस का इस्तेमाल अब अपराध नियंत्रण के अलावा राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए होने लगा है, जिसके लिए राज्यों की पुलिस अब देश भर में कहीं भी किसी की गिरफ्तारी करने पहुंच जाती है। इसके लिए नियम-कायदों व परंपराओं को भी ताक पर रखा जाने लगा है। रोहित रंजन ने जब अपने ट्वीट में इस सवाल को उठाया कि छत्तीसगढ़ की पुलिस स्थानीय पुलिस को बिना जानकारी दिए उसे गिरफ्तार करने पहुंची है, तो इस पर छत्तीसगढ़ की पुलिस का जवाब था कि ऐसा कोई नियम नहीं है। इसके लिए राज्यों की पुलिस में आपस में उलझने लगी हैं। खासकर उन राज्यों की पुलिस, जहां एक-दूसरे के विरोधी दलों की सरकारें हैं। पिछले दिनों पंजाब पुलिस दिल्ली के एक भाजपा नेता को बिना स्थानीय पुलिस को जानकारी दिए छापामार शैली में गिरफ्तार करके ले गई, तो रास्ते में हरियाणा पुलिस ने उसे छुड़ाकर दिल्ली पहुंचा दिया। ऐसी ही एक भिड़ंत हम कुछ समय पहले बिहार और महाराष्ट्र की पुलिस में भी देख चुके हैं। यह राजनीतिक दुरुपयोग पुलिस सुधार से ही रोका जा सकता है, लेकिन क्या कोई राजनीतिक दल इस सुधार की बात करेगा? पुलिस की जवाबदेही कायदे-कानून के प्रति होनी चाहिए, सत्तारूढ़ दलों के प्रति नहीं।

महाराष्ट्र में बिहार जैसा दांव?

भाजपा भी कहीं न कहीं इस बात को समझ रही है। इसलिए पार्टी में ज्यादा उत्साह नहीं दिख रहा है। सोचें, अगर सब कुछ भाजपा की प्लानिंग के हिसाब से हुआ होता तो हैदराबाद में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में इसका कैसा डंका बजता! लेकिन दो दिन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महाराष्ट्र के इतने बड़े घटनाक्रम का कोई जिक्र नहीं हुआ। कायदे से देवेंद्र फड़नवीस को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हीरो होना चाहिए था लेकिन वे इसमें शामिल होने के लिए हैदराबाद भी नहीं गए। महाराष्ट्र के पूरे घटनाक्रम को इतना लो प्रोफाइल रखा गया तो उसका मतलब है कि जो कुछ हो रहा है वह भाजपा की मजबूरी है। भाजपा कोई त्याग करने वाली पार्टी नहीं है। बिहार में भी उसने त्याग नहीं किया है, मजबूरी में नीतीश कुमार को नेता माना है। उसी तरह की मजबूरी में एकनाथ शिंदे को सीएम बनाया गया है। और इतना सब कुछ करने के बावजूद भाजपा आगे के राजनीतिक नतीजे को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं है।

महाराष्ट्र का दांव मास्टरस्ट्रोक है या मजबूरी का खेल है? मास्टरस्ट्रोक है तो आगे की राजनीति में कितना कारगर होगा और अगर मजबूरी है तो ऐसी मजबूरी कैसे आन पड़ी? पहली नजर में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार गिराना मास्टरस्ट्रोक दिख रहा है। लेकिन उसके बाद जैसी राजनीति हो रही है, उसे देख कर तो लग रहा है कि यह मजबूरी का ढोल गले आ पड़ा है, जिसे भाजपा को बजाना पड़ रहा है। ठीक वहीं कहानी हो गई है, जो 2020 में बिहार में हुई थी। चिराग पासवान के जरिए जनता दल यू को कमजोर करना मास्टरस्ट्रोक था लेकिन उसके बाद जो हुआ वह मजबूरी दुनिया के सामने है। सिर्फ 43 सीट जीत कर जदयू के नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और 74 सीट जीतने वाली भाजपा पिछलग्गू है। राज्य सरकार में भाजपा के किसी मंत्री की कोई हैसियत नहीं है और मजबूरी में भाजपा को कहना पड़ा है कि बिहार में एनडीए के नेता नीतीश कुमार ही हैं।

ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में भी हुआ है। उद्धव ठाकरे की सरकार तो मास्टरस्ट्रोक से गिर गई लेकिन उसके बाद मजबूरी में शिव सेना के ही एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। अगर अक्टूबर 2019 में भाजपा ने उद्धव ठाकरे की बात मान ली होती है और ढाई-ढाई साल की सत्ता साझेदारी पर सहमति दी होती तो आज भाजपा का मुख्यमंत्री होता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। पहले ढाई साल से ज्यादा समय तक शिव सेना के उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री रहे और अब शिव सेना के ही एकनाथ शिंदे बन गए हैं। भाजपा की यह मजबूरी तो समझ में आई कि उसने शिंदे को सीएम बना कर शिव सेना के लिए मुश्किल पैदा करने का प्रयास किया है लेकिन यह मजबूरी समझ में नहीं आई कि उसने क्यों शिव सेना से आए राहुल नार्वेकर को विधानसभा का स्पीकर बनाया? भाजपा के पास अपने नेताओं की कमी नहीं है फिर भी उसने राहुल नार्वेकर को स्पीकर बनाया, जो पहले शिव सेना में थे। वहां से एनसीपी में गए और पांच-छह साल पहले ही भाजपा में शामिल हुए। सोचें, एक शिव सैनिक मुख्यमंत्री है और एक पूर्व शिव सैनिक स्पीकर है। फिर भी भाजपा मास्टरस्ट्रोक चलने का श्रेय ले रही है! असल में ऐसा लग रहा है कि महाराष्ट्र का पूरा खेल देवेंद्र फड़नवीस ने अपने लिए सजाया था। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नहीं बन पाने की वजह से वे छटपटा रहे थे। उनका लक्ष्य किसी तरह से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना था। इसके लिए वे निजी तौर पर उद्यम कर रहे थे। हो सकता है कि उनको आलाकमान से ही सहमति भी मिली हुई है लेकिन पूरा प्रकरण उनका निजी उद्यम ज्यादा दिख रहा है। ढाई साल की मेहनत के बाद जब यह उद्यम कामयाब हुआ तो अंदरूनी सत्ता समीकरण की वजह से फड़नवीस मुख्यमंत्री नहीं बन पाए। इसी अंदरूनी सत्ता समीकरण की वजह से फड़नवीस को मजबूरी में उप मुख्यमंत्री का पद लेना पड़ा। तभी भाजपा के कम नेता इसे मास्टरस्ट्रोक बता रहे हैं और टेलीविजन के एंकर ज्यादा हवा बना रहे हैं।

अब सवाल है कि यह कथित मास्टरस्ट्रोक कितना कारगर होगा? क्या एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ कर और भाजपा की शह पर शिव सेना पर कब्जा कर लेंगे? अगर ऐसा हुआ तो उलटे उद्धव के प्रति सहानुभूति होगी। अगर ऐसा नहीं हुआ और शिव सेना उद्धव ठाकरे की कमान में रही तो वह एक बड़ी ताकत बनी रहेगी। वैसे भी ऐसी क्षेत्रीय पार्टियां, जिनका नेतृत्व पार्टी के संस्थापक के परिवार के सदस्यों के हाथ में होता है, उसकी विरासत अंत तक परिवार के साथ ही रहती है। ऐसी पार्टियां टूटती भी हैं तो मूल पार्टी का अस्तित्व खत्म नहीं होता है। ऐसी पार्टियों को वोट देने वाले लोग पार्टी और उसकी विचारधारा से ज्यादा व्यक्ति के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। याद करें कितनी बार बहुजन समाज पार्टी टूटी है? शुरूआती दिनों में हर चुनाव के बाद बसपा टूट जाती थी। उसके विधायक कभी भाजपा के साथ तो कभी सपा के साथ चले जाते थे लेकिन फिर अगले चुनाव में बसपा जीत कर आती थी। ताजा मिसाल राजस्थान की है, जहां बसपा के छह विधायक जीते थे और सभी कांग्रेस में चले गए। लेकिन अगले चुनाव में बसपा फिर जीतेगी। कांशीराम और मायावती के नाम पर नए लोगों को वोट मिलेगा और नए लोग जीतेंगे।

सो, उद्धव ठाकरे भले बाल ठाकरे की तरह साहसी या गरजने वाले कट्टर हिंदू नेता नहीं हैं लेकिन उनका विनम्र होना उनकी कमजोरी नहीं है। आखिर मायावती भी कांशीराम की तरह बौद्धिक या प्रतिबद्ध नेता नहीं हैं या तेजस्वी यादव भी अपने पिता लालू प्रसाद की तरह जमीन से जुड़े और पिछड़ों के मसीहा वाली छवि के नेता नहीं हैं या हेमंत सोरेन भी शिबू सोरेन की तरह जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ने वाले नेता नहीं हैं या एमके स्टालिन भी करुणानिधि का करिश्मा लिए हुए नहीं हैं फिर भी इन नेताओं ने अच्छे-बुरे समय में पार्टी का नेतृत्व किया। इसलिए यह तय मानें कि अभी चाहे तस्वीर जैसी दिख रही हो लेकिन शिव सेना ठाकरे परिवार से बाहर नहीं जाने वाली है। शिव सैनिक असल में ठाकरे परिवार के सैनिक होते हैं। जब वे बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे के साथ नहीं गए तो क्या एकनाथ शिंदे के साथ चले जाएंगे? राज ठाकरे तो शुरू से उद्धव के मुकाबले ज्यादा कट्टर हिंदुत्व और मराठी अस्मिता की राजनीति करते रहे थे! इसलिए यह दावा भी बहुत सही नहीं है कि उद्धव ने हिंदुत्व का रास्ता छोड़ दिया था इसलिए शिव सैनिक शिंदे के साथ चले जाएंगे।

भाजपा भी कहीं न कहीं इस बात को समझ रही है। इसलिए पार्टी में ज्यादा उत्साह नहीं दिख रहा है। सोचें, अगर सब कुछ भाजपा की प्लानिंग के हिसाब से हुआ होता तो हैदराबाद में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में इसका कैसा डंका बजता! लेकिन दो दिन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महाराष्ट्र के इतने बड़े घटनाक्रम का कोई जिक्र नहीं हुआ। कायदे से देवेंद्र फड़नवीस को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हीरो होना चाहिए था लेकिन वे इसमें शामिल होने के लिए हैदराबाद भी नहीं गए। महाराष्ट्र के पूरे घटनाक्रम को इतना लो प्रोफाइल रखा गया तो उसका मतलब है कि जो कुछ हो रहा है वह भाजपा की मजबूरी है। भाजपा कोई त्याग करने वाली पार्टी नहीं है। बिहार में भी उसने त्याग नहीं किया है, मजबूरी में नीतीश कुमार को नेता माना है। उसी तरह की मजबूरी में एकनाथ शिंदे को सीएम बनाया गया है। और इतना सब कुछ करने के बावजूद भाजपा आगे के राजनीतिक नतीजे को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा में बारिश ने ढाया कहर

खूनी बायपास पर पहाड़ से गिरा पत्थर मिट्टी का भूस्खलन, सड़कें भरी पानी से, सुरक्षा दीवार गिरने से 19 परिवार वालों को किया गया मनपा स्कूल में स्थानांतरित, वही चोरों ने भी एक ही रात में दिखाई हाथ की सफाई

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। लगातार कई दिनों से मुंब्रा शहर में हो रही मूसलाधार बारिश ने कहर बरपा दिया है लेकिन चिंताजनक बात यह है मौसम विभाग द्वारा यह बताया जा रहा है आने वाले शुक्रवार तक भारी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है बीते दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति की पोल पट्टी खोल के रख दी है हमने कई बार अपने अखबार दैनिक मुंबई हलचल के माध्यम से नालों में टनों के हिसाब से जमा कचरों को लेकर ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति को अवगत कराया था लेकिन मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा यह खबर को अनदेखा करने का कारण आज पुरे मुंब्रा शहर की सड़कें पानी में डूबती हुए नजर आ रही थी सड़कों पर जलभराव होने के कारण यातायात घंटों बाधित रहा नालो में जमा कचरा के चलते पानी को निकलने की जगह पर्याप्त नहीं होने के कारण कई

इलाकों के मकानों में कचरा समेत पानी घुस गया जिससे रहवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है भारी बारिश के कारण दत्ता वाडी की अनिल भगत चाल की 16 फीट की सुरक्षा दीवार गिरने से 19 परिवारों को मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा मनपा स्कूल में स्थानांतरित किया गया आपको बताते चलें भारी बारिश के कारण संजय नगर परिसर में चोरों ने भी जमकर फायदा उठाते हुए एक ही रात में दो दुकानों में एक मकान मैं मंदिर की दान पेटी पर अपना हाथ साफ कर दिया एक किराने की दुकान के गल्ला से कुछ हाथ नहीं लगने पर 5 तेल के डिब्बे साथ ले गए दूसरा निशाना डॉक्टर खुर्शीद का दवाखाना था उस में भी कुछ खास चोरों को कामयाबी नहीं मिली लेकिन मकान में हाथ साफ करने पर चार तोला सोना और कुछ चांदी उनके हाथ लग गया मंदिर की दान पेटी जो सिर्फ साल में एक बार खुली जाती है उससे भी अच्छी खासी रकम शातिर चोरों द्वारा उड़ा ली गई फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा कर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए चोरों की तलाश सरगर्मी से शुरू कर दी है गौरतलब बात यह है मौसम विभाग द्वारा आने वाले शुक्रवार तक भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है उसके चलते ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से एनडीआरएफ की टीमों को और आपदा प्रबंधन विभाग को हाई अलर्ट मोड पर तैनात कर दिया गया है ताकि कभी भी कोई भी गंभीर परिस्थिति से निपटने के लिए इन टीमों को तैयार रखा गया है।

ठाणे शहर में मौत के गड्ढे ने ली एक जान

मुंबई। मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में बारिश की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में जगह जगह पर जलजमाव की शिकायत सामने आ रही है। शहर के कई अहम रास्ते बारिश की वजह से तालाब में तब्दील हो चुके हैं। जुलाई महीने की शुरूआत में हुई इस बारिश ने बीएमसी के सभी दावों को झूठा साबित कर दिया है। बारिश की वजह से मुंबईकरों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक तरफ तालाब में तब्दील हुई सड़कों के बीच से होकर उन्हें गुजरना पड़ रहा है। वहीं कई जगह पर बरसाती पानी लोगों के घरों में दाखिल हो चुका है। बारिश

की वजह से होने वाली दूसरी बड़ी समस्या सड़कों पर हुए जानलेवा गड्ढे। इन गड्ढों की वजह से ठाणे जिले में एक व्यक्ति की जान चली गई है। मुंबई से सटे ठाणे शहर के घोड़बंदर रोड पर यह हादसा हुआ है। ठाणे महानगरपालिका के मुताबिक यह हादसा मंगलवार की सुबह तकरीबन 11 बजे के आसपास हुआ। जब मृतक मोहनीश (37) मुंबई की तरफ अपनी बाइक से जा रहा था। इसी दौरान वह अचानक इस मौत के गड्ढे में फंस गया और पीछे से आ रहा ट्रक उसके ऊपर चढ़ गया। इस हादसे में मोहनीश की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

जांच में जुटी पुलिस: महाराष्ट्र में इस बार की बरसात का यह पहला हादसा है। जब किसी वाहन चालक को ऐसे जानलेवा गड्ढों का शिकार होना पड़ा है। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई जैसे जिलों में अक्सर बाइक सवार ऐसे जानलेवा गड्ढों का शिकार होते रहे हैं। कई बार गंभीर रूप से जख्मी होते हैं तो कई बार उन्हें अपनी जान तक गंवानी पड़ती है।

शिंदे ने आषाढ़ी एकादशी पर पंढरपुर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पथकर छूट की घोषणा की

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 10 जुलाई को आषाढ़ी एकादशी पर पंढरपुर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बुधवार को पथकर छूट की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार शिंदे ने मुख्य सचिव को वारकरियों के वाहनों के वास्ते स्टीकर तथा स्थानीय पुलिस में उनके पंजीकरण का प्रबंध करने का निर्देश दिया है। दस जुलाई को आषाढ़ी एकादशी पर लाखों श्रद्धालु संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम का जयकारा लगाते हुए सोलापुर जिले के पंढरपुर पहुंचेंगे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नासिक में अफगान मूल के सूफी बाबा का मर्डर

उस वक्त जरीफ मुंबई से 200 किलोमीटर दूर येवला के चिंचोड़ी में एमआईडीसी इलाके के एक प्लॉट पर धार्मिक रस्म कर रहे थे। मौके पर उनका ड्राइवर और तीन अन्य लोग मौजूद थे। जैसे ही यह रस्म पूरी हुई ड्राइवर ने बाबा के सिर पर गोली मार दी, इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर बाबा की एसयूवी गाड़ी लेकर फरार हो गए। शुरूआती जांच से अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या प्रॉपर्टी विवाद में की गई। पुलिस ने सूफी बाबा की एसयूवी बरामद कर ली है। बताया जा रहा है कि बाबा जरीफ को तालिबान से जान का खतरा था। ऐसे में उन्होंने भारत से शरण ली थी। वे अफगानिस्तान से आने के बाद कर्नाटक और दिल्ली में रहे। वे डेढ़ साल पहले ही महाराष्ट्र की सिन्नर तहसील के मीरगांव में आए। कुछ महीने पहले ही वे चिचोड़ी गांव में आकर रहने लगे थे। बताया जा रहा है कि बाबा जरीफ ने एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था, इस पर वे जादू-टोने से लोगों की समस्याएं दूर करने का दावा करते थे। इस चैनल के 2.27 लाख फॉलोवर और करीब 6 करोड़ व्यूज थे। इसे से बाबा की कमाई होती थी। उन्हें भक्तों से दान भी मिलता था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया कि बाबा की करीब 3 करोड़ की प्रॉपर्टी थी। येवला में ही उनकी 15 एकड़ जमीन थी। भारतीय कानून के तहत वे अपने नाम से प्रॉपर्टी नहीं खरीद सकते थे ऐसे में उन्होंने अपने भक्तों के नाम से प्रॉपर्टी खरीदी थी। पुलिस का कहना है कि प्रॉपर्टी हमलावरों के ही नाम थी।

18 साल से ऊपर के लोगों के लिए एहतियाती खुराक पर अहम फैसला

इस संबंध में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने पत्र भी जारी किया है। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को बुधवार को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की स्थायी तकनीकी उपसमिति की सिफारिश पर यह बदलाव किया गया है और उपसमिति भी सामने आ रहे वैज्ञानिक साक्ष्य एवं वैश्विक पद्धति को ध्यान में रखकर इस निष्कर्ष पर पहुंची है। भूषण ने कहा कि इस सिफारिश पर एनटीएजीआई भी मुहर लगा चुका है। इसलिए अब यह फैसला किया गया है कि 18 से 59 साल तक की उम्र के सभी लाभार्थियों को दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह के पूरा हो जाने पर निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर एहतियाती खुराक दी जाएगी। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि 60 साल से अधिक उम्र के लाभार्थियों तथा स्वास्थ्यकर्मियों व अग्रिम मोर्चा कर्मियों के लिए दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह पूरा हो जाने पर एहतियाती खुराक मुफ्त सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये जाएं और इसका व्यापक रूप से प्रचार किया जाए। उन्होंने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों एवं प्रशासकों को लिखी इस चिट्ठी में कहा कि हर घर दस्तक दूसरा अभियान के दौरान कोविड टीकाकरण केंद्रों व घरों में सभी पात्र लाभार्थियों को एहतियाती खुराक का लाभ पहुंचाने में मैं आपके सहयोग व नेतृत्व को लेकर आशावान हूं।

भावना गवली की जगह राजन विचारे को लोकसभा में चीफ विप की जिम्मेदारी

उन्होंने उद्धव ठाकरे को पत्र लिख कर कहा था कि शिवसेना को कांग्रेस-एनसीपी का साथ छोड़ कर बीजेपी के साथ सरकार बनानी चाहिए। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की ओर से संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखा गया है। इसमें उन्होंने कहा है कि राजन विचारे को तत्काल प्रभाव से भावना गवली की जगह लोकसभा में शिवसेना का चीफ विप नियुक्त किया गया है। भावना गवली की उद्धव ठाकरे को चिट्ठी के बाद से ही चर्चा थी कि शिवसेना के 12 सांसद भी बगावत कर सकते हैं। इनमें सबसे आगे भावना गवली का नाम आ रहा था। माना जा रहा है कि इसी के चलते शिवसेना ने उन्हें लोकसभा में चीफ विप पद से हटा दिया है। ठाणे से शिवसेना सांसद राजन विचारे को उनकी जगह नियुक्त किया गया है। अब देखना होगा कि भावना इस पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं। इससे पहले मंगलवार को मुंबई से शिवसेना सांसद राहुल शेवाले ने भी उद्धव ठाकरे को एक पत्र भेजा था। इसमें राहुल शेवाले ने एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने की गुहार लगाई थी।

पीटी उषा, वीरेंद्र हेगड़े समेत इन चार को राज्यसभा के लिए किया गया मनोनीत

खेलों में उनकी उपलब्धियों को व्यापक रूप से जाना जाता है, पिछले कई वर्षों में नवोदित एथलीटों का मार्गदर्शन करने के लिए उनका काम उतना ही सराहनीय है।

अरुण बख्शी हिन्दी फिल्म '48 कोस' में अभिनेता, गायक और संगीतकार के रूप में!

फिल्म के सांग व ट्रेलर लांच पर पंकज बेरी के साथ अरुण बख्शी रहे उपस्थित अरुण बख्शी न केवल एक बेहतरीन एक्टर हैं बल्कि शानदार संगीतकार और गायक भी हैं। बॉलीवुड की ढेरों फिल्मों में उन्होंने हिट गाने दिए हैं। आसमान को धरती पर लाने वाला चाहिए जैसे गीतों से मशहूर अरुण बख्शी अब फिल्म 48 कोस में न सिर्फ बतौर एक्टर नजर आएंगे बल्कि संगीतकार और गायक के रूप में भी उन्होंने इस फिल्म के लिए काम किया। लेखक, निर्माता, निर्देशक राजिंदर वर्मा 'यशबाबू' की यह हिंदी फिल्म 48 कोस 8 जुलाई को रिलीज हो रही है। मुंबई में यश बाबू की हिन्दी फिल्म '48 कोस' का एक गाना और ट्रेलर लांच किया गया तो यहां अरुण बख्शी, पंकज बेरी, राजेश बब्बर भी उपस्थित थे। फिल्म का ट्रेलर काफी दमदार है और गाना अरुण बख्शी ने कम्पोज किया और गाया है, जिसमे उनकी अदाकारी भी देखने लायक है। खास बात

यह है कि अरुण बख्शी अपना हर एक गाना लता मंगेशकर जी के स्टूडियो में रिकॉर्ड करते हैं। जहां क्वालिटी भी मिलती है और दुआएं भी मिलती हैं। अरुण बख्शी की छोटी सी म्युजिक टीम है, उनका म्युजिक प्रोग्रामर दिनेश रहाते है जिन्होंने इस गाने में उनका साथ दिया है। यश बाबू का कहना है कि हमारे साहित्य में ऐसे कई पात्र एवं चरित्र हैं जिन्हें शायद हमारी नौजवान पीढ़ी भूल गयी है। हमारे इतिहास के गर्भ में ऐसी कई कहानियां है जो आज भी अनकही हैं, प्रासंगिक हैं। हिन्दी फीचर फिल्म '48 कोस' द्वारा उनकी कोशिश कुरुक्षेत्र का नाम विश्व पटल पर ले जाने की है। राजिंदर वर्मा ने कहानी के संदर्भ में बताया कि बचपन से ही वह महाभारत से प्रभावित थे। 48 कोस के द्वारपाल यक्षों की कहानियां उनको बहुत आकर्षक लगती थी। इन्हीं कहानियों को वह आधुनिक रूप में दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना चाहते थे। कहानी को अपने स्वरूप में आने में डेढ़ साल लगा। अरुण बख्शी का कहना है कि यह फीचर फिल्म दर्शकों के दिलों को छू लेगी और सोचने पर मजबूर कर देगी। इस फिल्म में नामी कलाकार पंकज बेरी, अनिल धवन, अरुण बक्शी, सोहित सोनी, अनिल वर्मा, जागृति ठाकुर, नलिनी खत्री, योगिता पॉल के अलावा बाल कलाकार आरव वधवा, गर्वित खुराना, रीतिका राय, जय रल्हन ने विशेष रूप से काम किया है। यशबाबू एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित फिल्म '48 कोस' सिनेमाघरों में 8 जुलाई को रिलीज हो रही है।

हज वेलफेयर सोसायटी की कार्यकारिणी में संभागीय मीडिया प्रभारी बने पत्रकार सैय्यद रिजवान अली

भोपाल निप्र प्रदेश के हर दिल अजीज स्वतंत्र पत्रकार लेखक बाकानेर जिला धार म.प्र. के सरगर्म, नौजवान पत्रकार साथी जनाब सैय्यद रिजवान अली साहब को ऑल इण्डिया हज वेलफेयर सोसायटी की मध्यप्रदेश यूनिट में इंदौर सम्भाग का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है, आपकी नियुक्ति सोसायटी के राष्ट्रीय महासचिव सैयद रियाज की सहमति से की गई है, रिजवान अली, दैनिक नवभारत, दैनिक समय जगत के रिपोर्टर हैं साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में खबरें आज तक लाइव न्यूज, धार के जिला ब्यूरो चीफ हैं, आप पिछले काफी वक्त से हज वेलफेयर सोसायटी की सरगर्मियों को अपने अखबार और न्यूज चैनल के जरिए से मंजर-ए- आम पर लाते रहे हैं, इंदौर सम्भाग में हज वेलफेयर सोसायटी को पहचान दिलाने में आपका बड़ा तआवुन रहा है, सोसायटी की कार्यकारिणी में संभागीय मीडिया प्रभारी नियुक्त होने पर आपको ऑल इण्डिया हज वेलफेयर सोसायटी की राष्ट्रीय, प्रदेश व जिला यूनिट्स के साथियों ने मुबारकबाद दी है।

301 किलो की लापसी गायों को खिलाई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। वाय एस एस ब्लड ग्रुप जोधपुर के नेतृत्व गौ माता व गोवंश को 301 किलो लापसी का भोग लगाया जो संस्कृति व धर्म के अनुकूल है वही गोदान व गौ सेवा, रक्त दान, कन्या दान सर्वश्रेष्ठ दान बताया है इनके प्रेरणा स्वरूप कई गौ भक्त निस्वार्थ भाव से बेसहारा घूम रही गायों के लिए भी निरंतर सेवा के लिए सक्रिय है आज दुनिया में इंसान इंसान के बारे में नहीं सोचता लेकिन वाईएसएस ब्लड ग्रुप के अध्यक्ष नदीम बक्स संगठन मंत्री रामस्वरूप शर्मा व सिखवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश कुमार तिवारी और सभी पद अधिकारियों ने गरीब पीड़ितों के लिए ही नहीं बल्कि बेसहारा घूम रही गायों के लिए भी सेवा के लिए लगातार सक्रिय हैं बक्ष ने बताया की गाय की सेवा के लिए

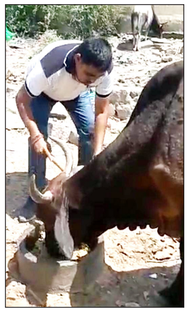

लाख से बनाकर खिलाने का यह कार्य सराहनीय है तथा वह निरंतर इसके लिए तैयार हैं आवारा घूम रही गायों के लिए 301 किलो लापसी बना कर खिलाने का कार्यक्रम रखा गया गायों की सेवा से मनुष्य के तेल में उदारता के भाव जागृत होते हैं और वाईएसएस ब्लड ग्रुप गरीब बेसहारा जरूरतमंद लोगों को हर संभव ब्लड दिलाने से लेकर हर जरूरत को पूरा करती आ रही है मानव सेवा के साथ-साथ गौ सेवा में भी लगातार सक्रिय है। यह रहे मौजूद वाईएसएस ब्लड ग्रुप अध्यक्ष नदीम बक्स संगठन मंत्री रामस्वरूप शर्मा सिखवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश कुमार तिवारी अशफाक हुसैन आफरीदी, भोमाराम चौधरी, विष्णु गुर्जर, वीरेंद्र गुर्जर, मूलाराम शर्मा डॉक्टर पाबूराम सतलाना, ताज मोहम्मद, जितेंद्र सागर, मोहम्मद एजाज आदि मौजूद रहे।

● प्रेम नगर स्पोर्ट्स क्लब, चुनाभट्टी (पूर्व) द्वारा आयोजित क्षेत्र के १०वी, ११वी और १२वी में उत्तारीन स्थानीय छात्रों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्तिपत्र और किताब देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष कल्पेश वराडकर और उनके मंडल के सहयोगी सदस्यों और क्षेत्र की स्थानीय नगरसेविका के साथ सुरेश मिश्रा (भा. जा. पा. धार्मिक एवं आध्यात्मिक आघाड़ी, मुंबई अध्यक्ष), नरेंद्र सिंह ठाकुर (वरिष्ठ संघ कार्यकर्ता), वासु जी (एफ १० के संस्थापक) और अमित गुप्ता (धार्मिक एवं आध्यात्मिक आघाड़ी के दक्षिण मुंबई महामंत्री) इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुऐ और बच्चो का उत्साह बढ़ाया।

चव्हाण ने क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने महाराष्ट्र में पार्टी के उन सात विधायकों के विरुद्ध बुधवार को कार्रवाई करने की मांग की जिन्होंने पिछले महीने हुए विधान परिषद चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग की थी। कांग्रेस के दूसरे प्रत्याशी चंद्रकांत हंडोरे 20 जून को हुए द्विवार्षिक चुनाव में हार गए थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने कहा, मैंने मांग की है कि उन सात विधायकों के विरुद्ध पार्टी कार्रवाई करे जिन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान किया जिसके कारण हंडोरे को पराजय का मुंह देखना पड़ा। एकनाथ शिंदे नीत सरकार द्वारा चार जुलाई को विधानसभा में विश्वासमत का सामना करने के दौरान कांग्रेस विधायकों की अनुपस्थिति के मुद्दे पर चव्हाण ने कहा कि उनका निजी मत है कि पार्टी को उन विधायकों से स्पष्टीकरण मांगना चाहिए। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने उन (विश्वासमत में शामिल नहीं रहे) विधायकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग नहीं की है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण सहित लगभग 10 कांग्रेस विधायक विश्वासमत के दौरान विधानसभा में मौजूद नहीं थे, जिसे शिंदे सरकार ने आसानी से जीत लिया था। कांग्रेस पूर्ववर्ती शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार का हिस्सा थी।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए 5 बार बना था प्लान

लड़कियों को भेजकर हत्या कराने की थी प्लानिंग

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की 29 मई को हत्या करने से करीब एक सप्ताह पहले शूटर्स ने पंजाब में मानसा के पास एक फार्महाउस में इसका ट्रायल भी किया था। इसमें इन्होंने हत्या में इस्तेमाल की गई ग्लोक, पी-30, जिगाना और स्टार पिस्तौल के अलावा एके-47 और ग्रेनेड लॉन्चर को चलाकर यह सुनिश्चित किया था कि ये तमाम हथियार ठीक से चल रहे हैं या नहीं। स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि यह बात इस मामले में अभी तक गिरफ्तार किए गए शूटर्स अंकित, प्रियव्रत और कशिश ने पूछताछ में बताई है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और शायद कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के लिए ये शूटर्स काम करते थे। सेल का कहना है कि इन्हीं के कहने पर छह शूटर्स ने मूसेवाला की ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। बताया जाता है कि मूसेवाला की हत्या के लिए जहां पिस्तौल और एके-47 से गोलियां बरसाई गई थीं, वहीं ग्रेनेड भी फायर किया गया था। लेकिन उसका पिन अटक जाने से वह ऐन वक्त पर चल नहीं पाया। वरना, इनका इरादा मूसेवाला पर गोलियां बरसाने के बाद ग्रुबीसीएल यानी अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से मूसेवाला की गाड़ी को उड़ा देने का भी था, ताकि किसी भी सूरत में वह बच ना पाएं। ग्रेनेड के फायर ना होने पर ही सिंगर के ऊपर गोलियों की इतनी बौछार की गई कि वह किसी भी सूरत में जिंदा ना बचने पाएं। मूसेवाला की हत्या के लिए एक या दो नहीं, बल्कि पांच से अधिक प्लान बनाए गए थे। इनमें आरोपियों के पास से पंजाब पुलिस की जो वर्दियां मिली हैं, उन्हें पहनकर भी मूसेवाला को मारने का प्लान था। इसमें योजना यह थी कि दो महिला और दो पुरुष बदमाश पंजाब पुलिस की वर्दी में मूसेवाला को घर में जाकर गोलियों से भून डालेंगे। लेकिन यह योजना सिंगर के घर में उस वक्त कड़ी सुरक्षा होने की वजह से परवान चढ़ती दिखाई नहीं दी।

पत्रकार बनकर मारने का भी था प्लान

इसके अलावा सिंगर को पत्रकार बनकर भी मारने की योजना थी। जबकि एक बार वहीं कोर्ट में ही मूसेवाला को मार दिया जाता। लेकिन, उस दिन उनकी किस्मत अच्छी थी कि वह कोर्ट के उस गेट से बाहर नहीं निकले जिस ओर शूटर्स ने उन्हें मारने के लिए अपनी फील्डिंग लगा रखी थी। इसके अलावा एक बार उन्हें कबड्डी के एक टूर्नामेंट में भी मारने की योजना लगभग फाइनल कर ली गई थी। लेकिन उस योजना को इसलिए टालना पड़ा कि वहां मूसेवाला के साथ और भी स्थानीय लोग मारे जाते। फिर यह प्लान बनाया गया जिसमें मूसेवाला के घर की रेकी करते हुए वह मौका खोजने के लिए कहा गया, जब वह बिना सुरक्षा और विदाउट बुलेटप्रूफ गाड़ी पर सवार हों। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या उन्हें तय योजना के तहत बुलेटप्रूफ गाड़ी में सवार होने से रोका गया। शूटर्स ने इसके लिए पूरी योजना तैयार कर ली। अपने गानों में वह जिन विदेशी हथियारों और एके-47 का जिक्र करते थे, शूटर्स के लिए उन्हीं हथियारों का प्रबंध किया गया।

फार्महाउस में हुई सभी शूटर्स की ट्रेनिंग

पंजाबी सिंगर की हत्या से पहले तमाम शूटर्स को मानसा के पास एक फार्महाउस में बाकायदा इसकी ट्रेनिंग दिलाई गई। जिसमें सभी शूटर्स ने विदेशी पिस्तौलों पर अपना हाथ साफ किया और यह भी सुनिश्चित किया कि अंतिम वक्त में कोई हथियार धोखा तो नहीं दे देगा। इसमें केवल ग्रेनेड लॉन्चर ने इन्हें धोखा दिया। बाकी सभी हथियार ठीक से चले। गौरतलब है कि इस मामले में 3 जुलाई की रात को स्पेशल सेल के डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा की टीम ने मूसेवाला पर दोनों हाथों में पिस्तौल लेकर गोलियां मारने वाले शूटर अंकित के अलावा इन्हें छिपाने में मदद करने वाले सचिन भिवानी को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 19 जून को प्रियव्रत, कशिश और केशव को गिरफ्तार किया गया था। अभी इस मामले में मूसेवाला को गोलियां मारने वाले तीन शूटर्स मनप्रीत मनु कुस्सा, जगरूप रूपा और दीपक मुंडी फरार हैं। इनकी तलाश की जा रही है। इनके बारे में सेल को कुछ इनपुट मिले हैं। जिसके आधार पर इन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

लापरवाह कर्मचारियों, वजह से बीएसएनएल इंटरनेट हुआ ध्वस्त

खाता धारको में भारी आक्रोश

मुंबई हलचल/ विद्या शंकर शुक्ला

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बीएसएनएल इंटरनेट सर्विस कई महीनों से डाक विभाग इंटरनेट बहुत खराब चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है। इन दिनों इंटरनेट कई महीनों से डाक घर अटरामपुर में सरवर ना होने की वजह से कंप्यूटराइज सिस्टम नहीं चल रहा है। वही खाता धारको में भारी आक्रोश है। सुबह आते शाम को खाली हाथ चले जाते हैं। आखिर कब तक सिलसिला चलता रहेगा। इस मामले को लेकर डाक विभाग के अधिकारी संतोष कुमार मिश्रा से संपर्क किया गया। तो उन्होंने बताया कि हमारे विभाग के बगल में बीएसएनएल संचार ऑफिस है। कोई कर्मचारी दिखता नहीं ताला लगा रहता है। हमने कई उच्च अधिकारियों से इसकी शिकायत की है। लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। वही आसपास के लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है। कब तक ऐसे हम लोगों नेटवर्क की वजह से दिनभर परेशान रहेंगे इससे अच्छा तो कागज कलम वाला युग ठीक था। लोगों में सवाल इस बात का है। एक तरफ प्रदेश के योगी सरकार और देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी सोशल मीडिया को बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ लापरवाह कर्मचारियों की वजह से आए दिन लोगों को नेटवर्क की वजह से घर वापस जाना पड़ता है। अब देखना है शासन-प्रशासन करते क्या हैं। वही लोगो में एक चर्चा का विषय बना हुआ है।

50 विधायक और 50 रुपये में कोई संबंध है क्या?: राकांपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में एमवीए सरकार को गिराने के लिए खर्च की गयी धन राशि को आम नागरिकों से वसूला जा रहा है। केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस के दाम में बुधवार को 50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतें ऊंचाई पर पहुंचने के बीच यह मई से एलपीजी सिलेंडर कीमतों में तीसरी वृद्धि है। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने पर खर्च की गई राशि रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के जरिए आम लोगों से वसूली जा रही है। महेश तापसे ने कहा कि एक तरफ महा विकास आघाड़ी के 50 विधायक बगावत करते हैं और दूसरी तरफ महाराष्ट्र में सत्ता संभालने के तुरंत बाद केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ा दिए हैं। तापसे ने कहा, एमवीए के 50 बागी विधायकों को पहले सूरत ले जाया गया। उसके बाद उन्हें गुवाहाटी ले जाया गया और फिर गोवा में उन्हें पांच सितारा होटलों में ठहराया गया। इस पूरे अभियान के लिए जिम्मेदार ताकतों ने एक बड़ी राशि खर्च की होगी और देश के आम नागरिक को आश्चर्य होगा कि क्या एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर के निदेशक कार्डियोलॉजी का तबादला रुकवाने को यूपी के पूर्व मंत्री की एड़ी चोटी का जोर जारी

- आखिर निदेशक कार्डियोलॉजी का कानपुर से तबादला क्यों नहीं चाहता पूर्व मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी का गठजोड़

- निदेशक कार्डियोलॉजी का तबादला रुकवाने के प्रयास में जुटा वरिष्ठ अधिकारी पूर्व विभागीय मंत्री के कार्यकाल में भी चिकित्सा शिक्षा के बड़े पद पर रह चुका नियुक्त। खासम खास होने की वजह से ही विभागीय पूर्व मंत्री के प्रति बताई जा रही ज्यादा निष्ठा

- स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले में शासन द्वारा कराई जाने वाली जांच को प्रभावित करने की वजह से पीड़ित पक्ष लगातार कर रहा भ्रष्टाचार से अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोपी निदेशक कार्डियोलॉजी के भी तबादले की मांग। अब हाईकोर्ट की शरण लेने की भी तैयारी

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के बल पर कथित रूप से आय से अधिक लाखों करोड़ों की चल-अचल नामी बेनामी संपत्ति अर्जित करने के आरोपी यहां के निदेशक कार्डियोलॉजी डॉक्टर विनय कृष्ण का संभावित तबादला रुकवाने का बहु चर्चित प्रकरण लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसकी वजह एक पूर्व विभागीय मंत्री द्वारा उनका तबादला हर हाल में रकवाने के लिए एडी चोटी का जोर लगाया जाना बताया जाता है। खास बात यह भी कि निदेशक कार्डियोलॉजी के पक्ष में चिकित्सा शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी का भी नाम चर्चा में है। वह पूर्व विभागीय मंत्री के कार्यकाल में भी उसी बड़े पद पर थे, जिसपर आज तैनात हैं। राजधानी लखनऊ स्थित चिकित्सा शिक्षा विभाग के भरोसेमंद सूत्रों की माने तो वर्तमान वरिष्ठ अधिकारी पूर्व विभागीय मंत्री के जितने नजदीक और जितने खास पहले हुआ करते थे उतने ही आज भी हैं। यही वजह है की वह अपने विभागीय रह चुके इस पूर्व मंत्री का आदेश निर्देश और उनकी सिफारिश को नहीं टाल पाते। चिकित्सा शिक्षा विभाग के सूत्रों के मुताबिक निदेशक कार्डियोलॉजी कानपुर डॉक्टर विनय कृष्ण का तबादला जनपद कन्नौज या फिर अन्यत्र ना हो पाए जब इस आशय की सिफारिश पूर्व विभागीय मंत्री द्वारा अपने बहुत चहेते और खास बताए जाने वाले चिकित्सा शिक्षा विभाग के इस वरिष्ठ अधिकारी से की गई तो उसने इस बारे में अपने खास पूर्व मंत्री को जिस आशय की अड़चन बताई। उसके फलस्वरूप मुख्यमंत्री के बाद उस महत्व पूर्ण पद वाले से सिफारिश करना आवश्यक समझा गया जो निदेशक कानपुर कार्डियोलॉजी का तबादला करने और रोकने में सक्षम है। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए पूर्व मंत्री के प्रयास और उनके चहेते वरिष्ठतम अधिकारी की तिकड़म ने जो गुल खिलाया उसी के फलस्वरूप एक आंख खराब होने के चलते मरीजों के ऑपरेशन के लिए अयोग्य बताए जाने वाले और लगभग 15 साल से निदेशक पद पर भी अंगद की तरह पैर जमाये बैठे लगभग 40 साल से कानपुर में ही नियुक्त डॉक्टर विनय कृष्ण का तैयार तबादला लेटर आज तक जारी नहीं हो पाया। लखनऊ स्थित चिकित्सा शिक्षा विभाग में कार्यरत एक भरोसेमंद सूत्र के साथ ही स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले में न्याय के लिए लगातार संघर्ष कर रहे वरिष्ठ पत्रकार संतोष यादव के भी मुताबिक भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के बल पर लाखों करोड़ों की चल - अचल ,नामी और बेनामी संपत्ति अर्जित करने के आरोपी कानपुर कार्डियोलॉजी के एक आंख वाले भ्रष्ट निदेशक डॉक्टर विनय कृष्ण का कानपुर से तबादला नहीं होने देने के लिए उनके खासम खास बताए जाने वाले पूर्व विभागीय मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी द्वारा लगातार लगाया जा रहा एडी - चोटी का जोर लाखों खर्च किए जाने का ही परिणाम है। संतोष यादव ने बताया कि कार्डियोलॉजी निदेशक डॉक्टर विनय कृष्ण और अन्य आरोपियों के खिलाफ स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले में जांच कमेटी तो गठित की गई है लेकिन इस कमेटी ने आज तक जांच शुरू नहीं की। संतोष यादव के मुताबिक सरकार से लगातार मांग के बाद भी कार्डियोलाजी निदेशक विनय कृष्ण का तबादला नहीं करना भी इसी रहस्य से जुड़ा हुआ है। मतलब पूर्व विभागीय मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी की मिलीभगत से जांच को प्रभावित करने का जिस तरह से पूरा मौका सरकारी बजट में कमीशन खोरी के लिए भी चर्चित कार्डियोलॉजी निदेशक डाक्टर विनय कृष्णा आदि आरोपियों को दिया गया है। उसी के चलते शासन से गठित कमेटी ने अपनी जांच आज तक नहीं शुरू की है। संतोष यादव ने बताया कि इस बारे में कानपुर के मंडल आयुक्त को भी प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है लेकिन इसके बाद भी लाखों का लालच पूर्व विभागीय मंत्री और उनके चहेते वरिष्ठ अधिकारी को गठित कमेटी द्वारा निष्पक्ष जांच के खिलाफ तबादला रुकवाने के मामले में करोड़ों के बजट में भारी कमीशन खोरी तथा अन्य भ्रष्ट तरीकों से भी आय से अधिक चल अचल नामी बेनामी अकूत संपत्ति अर्जित करने को लेकर चर्चित डॉक्टर विनय कृष्ण का साथ देने को मजबूर कर रहा है। उन्होंने बताया की इस मामले में बहुत जल्द हाई कोर्ट की भी शरण लेने की भी तैयारी की जा रही है। कुल मिलाकर कानपुर में अपनी 40 साल की नौकरी के दौरान ही बीते लगभग 15 साल से निदेशक कार्डियोलॉजी जैसे महत्व पूर्ण पद पर भी कब्जा जमाए बैठे डाक्टर विनय कृष्ण के कानपुर से तबादले को रुकवाने की हर संभव लगातार जारी कोशिश की सफलता के लिए लगातार लगाया जा रहा एडी चोटी का जोर पूर्व विभागीय मंत्री के साथ ही उनके खास चहेते बताए जाने वाले वरिष्ठ अधिकारी को भी चर्चा का विषय बनाए हुए है।

राजकीय कन्या महाविधालय मे नये सत्र में उर्दू विषय चालू करने पर शहर विधायक व शिक्षा मंत्री डॉक्टर बी.डी. कल्ला का मुस्लिम महासभा ने दिया धन्यवादः एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव एन डी कादरी ने बताया की बीकानेर अल्पभाषायी वर्ग के लिये खुशखबरी ले कर आया।राष्ट्रीय सचिव एन.डी. कादरी ने बताया कि बीकानेर जिले सबसे बड़ें राजकीय महिला महाविधालय मे उर्दु विषय नही होने से बीकानेर मे अध्ययन करने वाली बालिकाओं को काफी दिक्कत होती थी उन्हे उर्द विषय के अध्ययन हेतु किसी अन्य महाविधालय या जिले के बाहर जाकर पढाई करनी पडती थी। इसलिए मुस्लिम महासभा व उर्दू संघर्ष समिति काफी समय से राजकीय महारानी कन्या महाविधालय बीकानेर में उर्दु विषय लागू करने की मांग राज्य सरकार व नगर विधायक से कर रही थी।एन.डी. कादरी ने बताया कि आज शहर विधायक एवं शिक्षा मंत्री डॉक्टर बी.डी. कल्ला के प्रयास रंग लाये है और बीकानेर कि जनता को सौगात देते हुवे बीकानेर जिले के सबसे बड़े राजकीय एम.एस. कन्या महाविद्यालय में वर्षों से अल्पसंख्यक भाषायी छात्रों की माँग उर्दू भाषा को स्थाई तौर पर खुलवाने की माँग को पूरा किया। इस अवसरपर एन.डी. कादरी के नेतृत्व में एम.एस. महाविधालय की प्राचार्य विजयश्री गुप्ता का फुल मालाएं देकर स्वागत किया एवं व्याख्याता सुनीता बिश्नोई, उस्माल अली व महाविधालय मे नये सत्र के उर्दू विषय मे प्रवेश के लिए आई छाओं का भी स्वागत किया गया साथ ही बी.डी. कल्ला का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उर्दू संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष मंसूर अली, शहजाद अहमद, मोहम्मद जाफर, मोहम्मद जुबेर, मकसुद सुलेमानी, साजीद अहमद, सहना बानो, तस्लीम बानो, इस अवसर कांग्रेस नेता साजीद सुलेमानी, मुमताज बानो, एडवोकेट मोहम्मद असलम, जाकीर हुसैन नागोरी, एडवोकट सकिना खान, एडवोकेट समशाद कादरी, आदि मुस्मिल समाज के लोगो ने स्वागत किया।

कानपुर में गंगा में डूबे 2 दोस्त एक की लाश मिली

कानपुर। यहां नहाने के दौरान गंगा में डूब कर युवाओं के मरने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में पांच और लड़के गंगा में डूब गए। जिनमें 3 बच गये। एक की लाश गोताखोरों ने बरामद करली, जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है। घटना ग्वालटोली थाना क्षेत्र के परमट घाट पर हुई ,जहां रावतपुर थाना क्षेत्र से 5 दोस्त 15 से लेकर 21 साल की उम्र वाले राजेश सरवन महेश रंगा और राजू गंगा नहाने आए थे। इसी दौरान सभी तेज बहाव में जा फंसे। यह देखकर जब वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो गोताखोरों ने उन सभी को बचाने का प्रयास किया। जिनमें तीन बच गए, लेकिन दो गंगा में डूब गये। काफी तलाश के बाद एक लड़के गोलू की लाश बरामद हुई। जबकि दूसरे की तलाश समाचार लिखे जाने तक जारी है घटना से उनके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। अवगत करते चलें कि इसके पहले भी ढोड़ी घाट बिठूर, परमट और सिद्धनाथ आदि घाटों पर कई लड़कों की डूब कर मौत हो चुकी है।

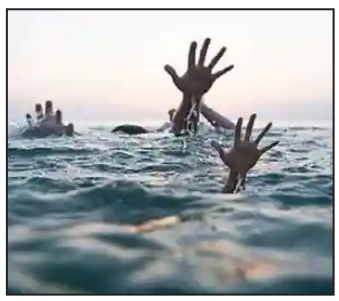

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मिनटों में दूर करें थकान और तनाव

आजकल के बिजी शेड्यूल के कारण लोगों को थकान और तनाव की समस्यां होती जा रही है। इससे शरीर टूटने, सिर दर्द, कमर दर्द और अनिद्री जैसी प्रॉब्लम हो जाती है। इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए अब आपको डॉक्टर या दवाई लेने की जरुरत नहीं। बल्कि इसके लिए अब आप बॉडी मसाज का सहारा ले सकते है। बॉडी मसाज से आपको इन सब समस्याओं से तुरंत ही छुटकारा मिल जाएगा। बस आपको इसके लिए टाइम निकालने की जरुरत पड़ेगी।

1. तनाव से राहत

मसाज करने से स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे तनाव से राहत मिलती है। मसाज करते समय प्रेशर प्वाइंट्स पर दबाव पड़ता है जिससे पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ-साथ शरीर की कार्यक्षमता भी बड़ जाता है। और आप बेहतर महसूस करने लगते है।

2. रक्त संचार

मसाज थेरेपी शरीर पर प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करती है, इससे मांसपेशियों को राहत मिलती है और रक्त संचार बेहतर होता है। जिससे सिर दर्द और कमर दर्द की शिकायत नहीं रहती।

3. वजन घटना

आजकल तो जिम में भी वजन कम करने के लिए बॉडी मसाज पर जोर दिया जाता है। इससे शरीर की नसा कम होती है और थकान भी दूर हो जाती है। इसके अलावा इससे शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियों में होने वाली परेशानी भी कम हो जाती है।

4. गहरी नींद

ज्यादा काम करने के आप अच्छी नींद नहीं ले पाते जिससे आपको अनिंद्रा की प्रॉब्लम के साथ-साथ और कई तरह की समस्याएं हो जाती है। बॉडी मसाज करने से आपको नींद अच्छी आती है और आपको थकान और तनाव जैसी समस्याएं नहीं होती।

5. सूजन की समस्यां

बॉडी में सूजन की समस्यां होने पर उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। ऐसे मसाज करने से सूजन वाले हिस्से की नसों पर दबाव बढ़ता है और सूजन कम होती है। इसके अलावा चेहरे पर मसाज करने से आपकी त्वचा साफ, शुष्क और हाइड्रेटिड होती है, जिससे आपके चेहरे की खूबसूरती और भी बड़ जाती है।

बालों से लेकर स्किन तक, भिंड़ी मास्क करें इस्तेमाल

भिंडी की सब्जी खाना तो हर कोई पंसद करता है। इसमें मौजूद फाइबर, मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन, पोटाशियम और विटामिन जैसे पोषक तत्व सेहत के लिए बहुत लाभदायक होते है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि भिंड़ी सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि चेहरे और बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसमें एंटी बैक्टीरियल और औषधीय गुण होते है जो स्किन के साथ-साथ बालों की प्रॉब्लम को भी दूर करते है। आइए जानते है किस तरह भिंडी चेहरे और बालों की समस्याओं को दूर कर सकती है।

1. मुहांसो पर असरदार

धूप में ज्यादा रहने से आपकी स्किन खराब हो जाती है। धूप के कारण चेहरे पर मुंहासे, ड्राई स्किन, त्वचा संबंधी संक्रमण, एजिंग और डलनेस जैसी समस्याएं हो जाती है। इन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर चोहरे पर लगा सकती है। इसे लगाने से त्वचा निखरी, बेदाग और खूबसूरत हो जाएगी।

2. भिंडी का मास्क

चेहरे पर से झुर्रियां हटाने के लिए भिंडी बहुत ही अच्छा मॉइस्चराइजर है। इसके लिए भिंडी को ब्लेडर में अच्छी तरह पीसकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को 15-20 मिनट चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से मुंह धो लें। रोजाना इसको लगाने से थोड़े ही दिन में इसका असर दिखने लगेगा।

3. भिंडी की जेल

इसके एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन के रैशेज और इंफेक्शन को खत्म कर देते है। इसके लिए भिंडी को काट कर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इस लिक्विड को कॉटन के साथ चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद चेहरा धो लें। इससे स्किन बेदाग और निखर जाएगी।

4. चमकदार बाल

चेहरे के साथ-साथ भिंडी बालों पर भी बहुत असरदार है। स्कैलप पर भिंडी की जेल लगाने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है। इसके लिए भिंडी को काट कर पानी में उबाल लें। ठंडा होने पर इसमें नींबू का रस मिलाकर शैंपू के बाद इसके पानी से बालों को धोएं। हफ्ते में 3-4 बार ऐसा करने से बालों में डैडंफ की समस्यां दूर हो जाएगी और बालों की ग्रोथ भी अच्छी होगी।

5. स्कैल्प मॉइस्चराइजर

स्कैल्प मॉइस्चराइजर बनाने के लिए भिंडी को काट कर पानी में उबालें। इसे गाढ़ा चिपचिपा होने तक पकने दें। इसके बाद इसको छान कर इसमें एक चम्मच शहद और ऑयल डाल दें। ऐसा करने से यह कर्ली और उलझे हुए बालों के लिए एक बहुत अच्छा मॉइस्चराइजर बन जाएगा। इसके अलावा इससे डैडंफ की समस्यां भी दूर हो जाएगी।

गालों को बनाना है गोल-मटोल तो अपनाएं ये तरीके

चेहरे का आकर्षण होती है आंख, नाक, होंठ और गाल। अगर इन चार चीजों की सुंदरता में कमी आ जाए तो पूरे चेहरे की खूबसूरती कम लगने लगती है। बहुत सी लड़कियों की समस्या होती है पिचके गाल। गाल वहीं अच्छे लगते है जो हमारी हंसी को खूबसूरत बना दें। जब गाल अंदर को पिचक जाते है तो जबड़े की हड्डी या त्वचा उभरी हुई दिखाई देने लगती है जिससे चेहरा भद्दा सा दिखने लगता है। लड़कियां अपने गाल को गोलमटोल बनाने के लिए कई ट्रीटमेंट और तरीकों का सहारा लेती है लेकिन को फायदा नजर नहीं आता। अगर आप भी अपने गालों को गोल-मटोल बनाना चहती है तो इस तरीकों को जरूर आजमा कर देखें। शायद यह आपके काफी काम आएं।

गालों को गोल-मटोल बनाने के लिए योग

- कुर्सी या टेबल के सहारे अपनी पीठ बिल्कुल सीधा करके बैठ जाएं। अब जितना मुंह खोल सकते है खोल लें। अब अपने हाथों से दोनों गालों को पकड़कर खींचे। 3द सेकेंड तक ऐसा करें। फिर पहले वाली स्थिति में वापिस आ जाएं। इस एक्सरसाइज को करने से गाल उभरने लगते है।
- एक मिनट तक मुंह को गुब्बारे की तरह ही फुलाकर रखें। दिन में 3 बार ऐसा करें। इससे

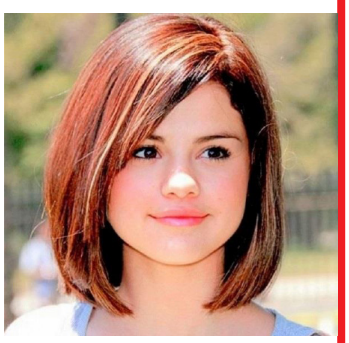

कुछ ही दिनों में गाल गुब्बारे की तरह गोल-मटोल बन जाएंगे।

कुछ घरेलू उपाय

बादाम तेल

बादाम या सरसों के तेल से गालों की मसाज करें। मालिश को कम से कम 5 मिनट तक रोजाना करें। इसी के साथ धूम्रपान और शराब से परहेज करें।

मेथी

मेथी में एंटीऑक्सीडेंट और विटमिन होते हैं जो त्वचा की झुर्रियां और लटकती त्वचा से निजात दिलाते हैं और पिचके गालों का परफैक्ट शेप देते है। रात को मेथी पानी में भिगोकर रख दें और सुबह पेस्ट बनाकर गालों पर लगा लें। सूखने के बाद धो दें।

ग्लिसरीन

गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से रोजाना अपने गालों की मसाज करें। इससे भी उन्हें परफैक्ट शेप मिलेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इस बैनर तले होगा सामंथा रुथ प्रभु का बॉलीवुड डेब्यू

सामंथा के बॉलीवुड डेब्यू की खबरें तो बड़ी तेजी से फैल रही है लेकिन अभी तक एक्ट्रेस किस फिल्म और बैनर से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही है इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं थी लेकिन इब सामंथा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर एक बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। सामंथा ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए एक्ट्रेस तापसी पन्नू से हाथ मिला लिया है। दरअसल, इन दिनों अदाकारा तापसी पन्नू अपनी अपकमिंग फिल्म शाबाश मिट्ठू के प्रमोशन में बिजी हैं। इस दौरान अदाकारा ने मीडिया से बात करते हुए एक्ट्रेस ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सामंथा उनके बैनर तले बॉलीवुड फिल्मों में कदम रखने जा रही हैं। जब तापसी से सामंथा की पहली बॉलीवुड फिल्म में उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, अगर ऐसा कोई हिस्सा होगा जो मैं कर सकूं तो मैं जरूर करुंगी। मगर सामंथा इसे लीड करने वाली हैं। इसी के साथ तापसी ने आगे कहा, साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इस रोल के लिए एकदम परफेक्ट च्वॉइस हैं और वो ये फिल्म कर रही हैं। इसी के साथ फिल्म में सामंथा के किरदार के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि मूवी में सामंथा का काफी पावरफुल किरदार है। हालांकि फिल्म को लेकर बाकि कोई जानकारी सामने नहीं है। मगर फैंस सामंथा के बॉलीवुड डेब्यू की खबर से काफी खुश होने वाले हैं।

रणवीर सिंह और दीपिका कर रहे है बेबी प्लानिंग?

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड के पावर कपल्स में से एक हैं। खबरे है कि दोनों अपना परिवार बढ़ाने की तैयारी में हैं और रणवीर ने तो इसके लिए खास तैयारियां भी शुरू कर दी है। साथ ही रणवीर सिंह ने हाल ही में अपने फ्यूचर किड्स का जिक्र भी किया। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने बच्चों के लिए कोंकणी भाषा सीख रहे हैं, जो कि दीपिका पादुकोण की मातृभाषा है। आखिर बच्चों के लिए उन्हें कोंकणी भाषा सीखने की जरूरत क्यों पड़ रही है, इसकी वजह भी रणवीर ने बताई। उन्होंने कहा, मैं एक ऐसी स्थिति में हूं, जहां मैं कोंकणी भाषा को थोड़ा-बहुत समझ सकता हूं। लेकिन, मैं नहीं चाहता कि जब हमारे बच्चे हों तो उनकी मां उनसे कोंकणी में बात करे और मुझे समझ ही न आए। रणवीर सिंह की इस बात पर दीपिका पादुकोण ने रिएक्शन देते हुए कहा कि रणवीर के इस फैसले से वह बेहद खुश थीं। जब तक उन्हें इसकी असली वजह नहीं पता थी, तब तक वह इसे उनकी एक अच्छी कोशिश समझ रही थीं। दीपिका बोलती हैं, तो ये एक दिन मेरे पास आए और बोले, बेबी मैं कोंकणी सीखना चाहता हूं। तो मुझे लगा वाह बढ़िया है। बाद में बातचीत में पता चला कि ये कोंकणी इसलिए सीखना चाहते हैं ताकि मैं हमारे बच्चों को इनके खिलाफ भड़का न दूं।

प्राची देसाई के लिए उनकी खूबसूरती और इमेज बनी करियर में रुकावट

टीवी से बड़े पर्दे पर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस प्राची देसाई अपने मासूम चेहरे से लोगो के दिलो में अपनी जगह बना चुकी है। प्राची ने अपने करियर के दौरान ज्यादातर सीधी-साधी लड़की का किरदार निभाया था, लेकिन अपनी लेटेस्ट वेब सीरीज फोरेंसिक में वह एक अलग किरदार में नजर आ रही हैं। फोरेंसिक में प्राची देसाई ने निगेटिव किरदार निभाया है। वह इस सीरीज में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जिसके कई राज हैं। विक्रांत मैसी और राधिका आप्टे स्टारर इस सीरीज में प्राची अपने निगेटिव रोल में काफी तारीफे बटोर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने पहली बार निगेटिव रोल करने के बारे में बात की है और बताया है कि, जब डायरेक्टर उन्हें कास्ट कर रहे थे, तब उन्होंने क्या कहा था। प्राची देसाई ने वेब सीरीज के मेकर्स को धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें कास्ट करके बड़ा रिस्क लिया था। एक्ट्रेस ने कहा, इस तरह की रोल मैं हमेशा से निभाना चाहती हूं और मुझे लगता है कि, यह ओटीटी है जो श्रेय का हकदार है। यह वह जगह है जहां लोग बड़े जोखिम उठा रहे हैं और आपको ऐसे अवसर दे रहे हैं, जिनके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं था। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि, लोग उन्हें इस रोल के लिए फिट नहीं मानते थे। सीधी-साधी लड़की का किरदार करने के बाद ये मेरे लिए एक बाधा बन गई थी। जब भी ऐसा कोई रोल करना होता था, तो कास्टिंग डायरेक्टर सोचते थे कि, मेरा चेहरा इसके लिए काफी स्वीट है। मैं सुंदर हूं, तो मैं इसका क्या करूं?